

M.A. (Sociology) New CBCS Pattern Semester-II
MAS201 - Paper-V : Perspective on Indian Society

P. Pages : 3

Time : Three Hours



GUG/W/23/13512

Max. Marks : 80

- Notes : 1. All questions are compulsory.
2. All questions carry equal marks.

1. Discuss G. S. Ghurye's Indological perspective about Indian society. **16**

OR

Describe A. R. Desai's Marxist perspective in reference to Indian society.

2. Explain in details M. N. Srinivas concept of Sanskritization. **16**

OR

Explain Dr. Ambedkar's subaltern perspective about Indian society.

3. Write short answer on **any two** of the following. **16**

- Textual perspective of Louis Dumont about Indian Society.
- S. C. Dube's view on Indian Rural structure.
- D. P. Mukharjee's Marxist perspective.
- N. K. Bose's thought on civilization and culture.

4. Write short answer on **any two** of the following. **16**

- Dr. Ambedkar's views on formation of caste.
- Louis Dumont's thought on caste system.
- D. P. Mukharjee's Tradition and Modernity.
- M. N. Shrinivas' view on caste system and village.

5. Write short note on each of the following. **16**

- Structural functional perspective.
- A. R. Desai's Contribution in Rural Sociology.
- G. S. Ghurye's thought on caste.
- Annihilation of caste by Dr. Ambedkar.

M.A. (Sociology) New CBCS Pattern Semester-II
MAS201 - Paper-V : Perspective on Indian Society

Time : Three Hours

Max. Marks : 80

- सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहे.

1. जी. एस. घुर्ये यांच्या भारत प्राच्यविद्या दृष्टिकोनाची चर्चा करा. 16
- किंवा**
- ए. आर. देसाई यांचा भारतीय समाजाच्या संदर्भातील मार्क्सवादी दृष्टिकोनाचे वर्णन करा.
2. एम. एन. श्रीनिवास यांची संस्कृतीकरणाची संकल्पना सविस्तर स्पष्ट करा. 16
- किंवा**
- डॉ. आंबेडकरांचा भारतीय समाजविषयक वंचिततेचा दृष्टिकोन स्पष्ट करा.
3. खालीलपैकी कोणत्याही दोन वर थोडक्यात उत्तरे लिहा. 16
- अ) भारतीय समाजविषयी लुईस ड्युमोंट यांचा ग्रंथिक दृष्टिकोन.
ब) भारतीय ग्रामीण संरचनेवरील एस. सी. दुबे यांचा दृष्टिकोन.
क) डी. पी. मुखर्जी यांचा मार्क्सवादी दृष्टिकोन.
ड) एन. के. बोस यांचा सभ्यता आणि संस्कृती विषयी विचार
4. खालीलपैकी कोणत्याही दोन वर थोडक्यात उत्तरे लिहा. 16
- अ) डॉ. आंबेडकर यांचा जाती निर्मिती विषयक दृष्टिकोन.
ब) लुईस ड्युमोंट यांचा जाती व्यवस्थे वरील विचार.
क) डी. पी. मुखर्जी यांचा परंपरा आणि आधुनिकता.
ड) एम. एन. श्रीनिवास यांचा जाती व्यवस्था आणि ग्राम यावरील दृष्टिकोन
5. खालीलपैकी प्रत्येक प्रश्नांचे संक्षिप्त उत्तर लिहा. 16
- अ) संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक दृष्टिकोन.
ब) ए. आर. देसाई यांचे ग्रामीण समाजशास्त्रातील योगदान.
क) जी. एस. घुर्ये यांचे जातीविषयक विचार.
ड) डॉ. आंबेडकर प्रतिपादित जातीचे निर्मूलन.

M.A. (Sociology) New CBCS Pattern Semester-II
MAS201 - Paper-V : Perspective on Indian Society

Time : Three Hours

Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. जी. एस. घुर्ये इनके भारत प्राच्यविद्या दृष्टिकोन पर चर्चा किजिये। 16
- अथवा**
- भारतीय समाज के संदर्भ में ए. आर. देसाई इनके मार्क्सवादी दृष्टिकोन का वर्णन किजिये।
2. एम. एन. श्रीनिवास इनकी संस्कृतीकरण की अवधारणा विस्तार से स्पष्ट किजिये। 16
- अथवा**
- डॉ. आंबेडकर इनका भारतीय समाजविषयक वंचितता का दृष्टिकोन स्पष्ट किजिये।
3. निम्नलिखित **किन्ही दो** पर एक संक्षिप्त उत्तर लिखिये। 16
- अ) भारतीय समाज के विषय में लुईस ड्युमोंट का ग्रंथिक दृष्टिकोन।
ब) भारतीय ग्रामीण संरचना पर एस. सी. दुबे इनका दृष्टिकोन।
क) डी. पी. मुखर्जी इनका मार्क्सवादी दृष्टिकोन।
ड) एन. के. बोस इनका सभ्यता एवं संस्कृती विषयक विचार।
4. निम्नलिखित **किन्ही दो** पर एक संक्षिप्त उत्तर लिखिये। 16
- अ) डॉ. आंबेडकर इनका जाती निर्मिती विषयक दृष्टिकोन।
ब) लुईस ड्युमोंट इनका जाती व्यवस्था पर विचार।
क) डी. पी. मुखर्जी इनका परंपरा एवं आधुनिकता।
ड) एम. एन. श्रीनिवास इनका जाती व्यवस्था एवं ग्राम पर दृष्टिकोन।
5. निम्नलिखित प्रत्येक इकाई पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। 16
- अ) संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक दृष्टिकोन।
ब) ए. आर. देसाई इनका ग्रामीण समाजशास्त्र में योगदान।
क) जी. एस. घुर्ये इनका जातीविषयक विचार।
ड) डॉ. आंबेडकर प्रतिपादित जाती का अंत।
